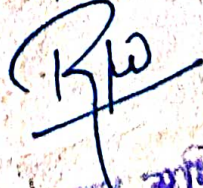



13.8.2020

पत्रावली पैरा हुई। कमलार कॉलेज उपस्थित  
प्रार्थना पत्र द्वारा 10 जापता दीवानी पर  
बठस उभय पक्षकारान सुनी गई। पत्रावली  
का अवलोकन किया। प्रार्थनापत्र व जाबान  
प्रार्थनापत्र में संश्लि वाद स० 231/14  
वर्ष 2014 से पुनर्वाद में चल रहा है व  
दोषवाचक वाद है। वर्तमान वाद उसी  
वादश्रुति का विभाजन का वाद है। वर्तमान



वाद मे वादीगण के नाम रजिस्ट्रिड विच्छेद  
 पत्र है, मगर जमाबंदी में बतौर खालेदार  
 नाम दर्ज नहीं है। इसलिए जब किसी वादग्रहि  
 का धौषवात्मक वाद लम्बित हो जिससे वाद  
 के पक्षकारान का एक हिस्सा परिवर्तित  
 होने की संभावना हो तो उसी वादग्रहि  
 का लकासमा किया जाना उचित नहीं  
 होता है। साथ ही उक्त <sup>पूर्ववर्ती</sup> वाद में भी पक्षकारान  
 अपना पक्ष वाकल विभाजन पेश करने से  
 स्वतंत्र रूप, कालग से वाद पेश करने की  
 आवश्यकता नहीं थी। उपरोक्त विवरण के  
 आधार पर प्रार्थना पत्र प्रार्थी/प्रतिवादी  
 द्वारा 10 जाबता दीवानी स्वीकार कर  
 हस्तगत वाद स्थगित किए जाने का आदेश  
 दिया जाता है। हस्तगत वाद में पूर्ववर्ती वाद  
 231/14 में हुनवाड़ विपाराधीन रहने तक  
 कार्यवाही स्थगित की जाती है। आदेश दुल  
 न्यायालय में हुनाभा गमा।

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 मॉयड कोठ (जमपुर)

  
 अर्थमन्त्री